

A close-up portrait of Sandeep Maheshwari, a man with glasses and a mustache, smiling and pointing towards the camera. He is wearing an orange jacket over a white shirt. The background is a solid light blue color.

संदीप माहेश्वरी जी के विचार

सुदर्शन

परिचय

संदीप माहेश्वरी एक ऐसा नाम है जो सफलता, खुशी और संतुष्टि की खोज में आगे बढ़े, असफल रहे और लेकिन फिर से आगे बढ़े।

किसी भी मध्यम वर्ग के लड़के की तरह, उनके पास भी अस्पष्ट सपने थे और जीवन में अपने लक्ष्यों को लेकर एक धुंधली दृष्टि थी।

जीवन में काफी उतार चढ़ाव के बाद उन्होंने अपने जीवन का सही अर्थ समझा।

वे अपने प्रेरणादायक सेमिनार और भाषणों से पूरे विश्व में सबके चहेते हैं। संदीप ने बहुत ही साधारण परिवार में कई मुश्किलों का सामना किया, मगर उन्होंने हार नहीं मानी और आगे बढ़ते हुए, आखिर में सफलता प्राप्त की।

वे अपने असफलताओं के अनुभव से हजारों लोगों को सफलता प्राप्त करने में एक गाइड की भूमिका निभाते हैं।

आज उनके काम के चाहने वाले देश के साथ बाहर के देशों से भी लाखों लोग हैं।

उनकी एक कंपनी है जो फोटो बेचने का काम करती है।

उस वेबसाइट का नाम इमेजेसबाज़ार.कॉम है जिसका टर्नओवर आज करोड़ों में है। इस वेबसाइट के अंदर हजारों फोटोज हैं, एक बार खोलकर देखिएगा जरूर। बहुत कम लोग होते हैं इस दुनिया में जिनका काम बहुत कुछ बोलता है उनके बारे में, इस किताब में उनके विचार हैं जो उन्होंने अपने जीवन में कहे, अनुभव किये हैं।

अगर कोई त्रुटि होती है तो क्षमा कीजियेगा, उम्मीद करते हैं आपको संदीप जी के विचारों से जीवन में बहुत कुछ सिखने का मौका मिलेगा।

जिन शब्दों के पीछे स्टार ‘*’ बना हुआ है, उन शब्दों का अर्थ विचार के बाद लिखा हुआ है।

किताब पढ़ने के लिए आपका धन्यवाद!

विचार

1. “यदि कोई भी चीज आपके पास जरूरत से ज्यादा है तो आप इसे उन लोगों से साझा करिए जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।”

2. “जैसा आप सोचोगे वैसा ही बनोगे, तो इसलिए सोच हमेशा बड़ी रखो।”

3. “कोई भी सफलता अनुभव से आती है और अनुभव अपनी गलतियों यानी ‘बेड एक्सपीरियंस’ * से आता है।”

*बेड एक्सपीरियंस - बुरा अनुभव,

4. “अपने आप को खुद की नजरो में उठाईये, जो इन्सान खुद की नजरो में उठ गया वो फिर दुनिया की नजरो में अपने आप उठ सकता है।”

5. “जीवन में पैसे का उतना ही महत्व है जितना की आपकी कार में पेट्रोल, ना इसकी मात्रा कम हो और न ही ज्यादा।”

6. “एक बात आप हमेशा याद रखना आप अपनी ‘प्रॉब्लम्स’ * से कई गुना बड़े हो, अपनी ‘प्रॉब्लम्स’ का डटकर सामना करना सीखें।”

*प्रॉब्लम्स - समस्या, दिक्कत,

7. “जो भी मन में आए, उसे खुलकर पूरे मन से करो क्योंकि एक बार वक्त गुजर गया तो वो वक्त फिर दोबारा नहीं आने वाला है।”

8. “एक बात हमेशा याद रखना जो भी होता है वो हमेशा अच्छे के लिए ही होता है।”

9. “जिस व्यक्ति का ‘डिजायर’ * जितना अधिक बड़ा होगा उसकी सक्सेस* भी उतनी ही अधिक बड़ी होगी।”

*डिजायर - इच्छा, *सक्सेस - सफलता,

10. “कभी खुद को कम मत समझो, आप जितना सोचते हैं उससे कहीं ज्यादा आप कर सकते हैं।”

11. “यदि आप उस व्यक्ति की खोज कर रहे हैं जो आपकी ज़िन्दगी बदल देगा, तो आप आईने में खुद को देख लें।”

12. “जो लोग अपना दिमाग नहीं बदल सकते, वे कुछ भी नहीं बदल सकते हैं।”

13. “जिस व्यक्ति ने अपनी आदत को बदल दिया है, उसका आने वाला कल बदल जाएगा और वह व्यक्ति जो कल तक भी अपनी आदत नहीं बदलेगा तो उस व्यक्ति के साथ वही होगा जो हमेशा से होता आ रहा है।”

14. “अच्छा कहो, अच्छा सुनो, अच्छे बनो और अच्छे दिखो”

15. “आप जिस काम में अपना 100% देते हैं तो निश्चित ही आप उस काम में सफल भी होंगे।”

16. “जिन्दगी की दौड़ में हमें न भागना है न रुकना है, बस लगातार चलते रहना है।”

17. “आप जैसा सोचेंगे वैसे ही आप बन जायेंगे।”

18. “चाहे तालियाँ मिले या गालियाँ, इससे क्या फर्क पड़ता है फिर चाहे ‘सक्सेस’ मिले या ‘फेलियर’ * क्याफर्क पड़ता है! बस आप अपना काम करते जाइये क्योंकि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता।”

*फेलियर - असफलता,

19. “अरे भाई मिलेगा, इतना मिलेगा कि आप सपने में भी नहीं सोच सकते हैं, पहले खिलाड़ी तो बनो, अपनी ‘फील्ड’ * के पक्के खिलाड़ी।”

***फील्ड - क्षेत्र,**

20. “अगर आपके अंदर लड़ने की क्षमता है तो निश्चित ही आप जीत जाओगे।”

21. “पहले आपको खुद से किये कमिटमेंट* को पूरा करना है जब तक आप खुद से किये हुए कमिटमेंट को पूरा नहीं कर पायेंगे तो दूसरो को दिए हुए कमिटमेंट को क्या पूरा करेंगे।”

***कमिटमेंट - प्रतिबद्धता,**

22. “गलतियाँ ही इस बात का सबूत है की आप प्रयास तो कर रहे हो।”

23. “आप को पॉवरफुल* बनना है इसलिए नहीं कि आप किसी को दबा सको बल्कि इसलिए कि आप को कोई दबा नहीं सके।”

***पॉवरफुल - ताकतवर,**

24. “आज मैं जो कुछ भी हूँ, अपनी असफलताओं की वजह से ही हूँ।”

25. “आपको ऐसी चीज की खोज करनी है जो आज तक किसी ने नहीं की है, जब यह ‘डिजायर’ आप केअंदर पनप जाये तो फिर आपको कुछ नहीं करना पड़ेगा, आपका ‘डिजायर’ ही आपको उस काम में लगा देगा।”

26. “डिजायर चुनना है तो बड़े से बड़ा चुनो, बड़े से भी बड़ा !! दुनिया का सबसे बड़ा…….”

27. “बिना सोचे - समझे काम करना और बिना काम किये केवल सोचना हमें 100% असफलता ही देता है।”

28. “ज्ञान को बढ़ाते रहें लेकिन कभी भी अहंकार को न आने दें, यदि आप ऐसा करते हैं तो निश्चित ही आपके सीखने की उम्र यहीं खत्म हो जाती है।”

29. “कभी भी आपके पीठ के पीछे हो रही बातों को लेकर घबरायें नहीं, क्योंकि बात सिर्फ उन्हीं की होती है जिनमे कोई बात होती है।”

30. “यदि कोई भी ऐसा काम जो आप अपने पूरे दिल से करना चाहते हैं उसे कर सकते हैं तो वही आपका सक्सेस है और उसे नहीं कर पाए तो मरते दम तक वह आपका फेलियर है।”
31. “जिसमे जीतने की कोई चाह नहीं होती है और न ही हारने का गम, उसे कोई भी नहीं हरा सकता।”
32. “आपकी इच्छाशक्ति के आगे दुनिया की कोई भी शक्ति टिक नहीं सकती है।”
33. “हर इन्सान के अंदर कोई न कोई शक्ति जरूर होती है जो की पूरी दुनिया में किसी के पास नहीं होती है हमे बस उस शक्ति को जानना है।”
34. “गिर गये तो क्या हुआ, गिरता भी वही है जो चलता है बस आपको इतना करना है उठकर फिर से चलना है”
35. “सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग? जो लोग अपनी सोच नहीं बदल सकते हैं वे लोग कुछ भी नहीं बदल सकते हैं।”
36. “जैसी नजरों से आप इस दुनिया को देखना चाहेंगे ये दुनिया आपको वैसी ही दिखेगी”
37. “सक्सेस हमेशा अकेले में गले लगाती है लेकिन आपका फेलियर हमेशा आपको सबके सामने ही तमाचा मारता है।”
38. “हर काम आसान है बस आपको अपने अंदर की आवाज को सुनना है।”
39. “आपकी जिन्दगी एक के बाद एक बॉल (क्रिकेट बॉल) के रूप में ‘अवसर’ देती है यदि एक बॉल यानी ‘अवसर’ छुट भी जाए तो हमारा ध्यान आने वाली दूसरी बॉल यानी अवसर पर होनी चाहिए”

40. “जब ये दुनिया के लोग आपको कहने लगे कि आप पागल हो गये हैं, तो आप समझ जाईये की आप अपने बनाये हुए सही रास्ते पर चल रहे हैं।”

41. “फेल होने के बाद भी अगर मेरे अंदर इतनी हिम्मत है कि मैं आगे बढ़ता रहूँगा तो निश्चित ही मैं उपर उठ सकता हूँ।”

42. “हर रोज अपने आप से यह सवाल जरूर करो की मैं अभी क्या सीख रहा हूँ और इस तरह हर वक्त आपको कुछ न कुछ सीखने की आदत बना लो।”

43. “जब आप उस चीज की तरफ देखते हैं जो आपके पास नहीं है, तो उस वक्त आपकी किस्मत आपको बुरी लगती है और जब उन चीजों की तरफ देखते हो जो आपके पास पहले से है, तो आपको आपकी किस्मत अच्छी लगती है।”

44. “अगर मेरे जैसा न बोलने वाला दबू लड़का अगर स्टेज पर आकर बोल सकता है तो दुनिया का कोई भी व्यक्ति कुछ भी कर सकता है।”

45. “जब पूरी दुनिया को लग रहा था की आप हार मान जाओगे और फेल हो जाओगे और पूरी दुनिया को लग रहा था की आप किसी काम के नहीं हो तो यही वो मौका है की आप कुछ ऐसा कर जाओ कि पूरी की पूरी दुनिया के लिए एक इंसपिरेशन* बन जाओ उसी को सक्सेस* बोलते हैं।”

*इंसपिरेशन - प्रेरणा स्रोत,

46. “जिस चीज में आपका इंटरेस्ट* है वही करो यदि आपको पता है कि आप रेस में हारने वाले हैं तो भला उस रेस में भाग ही क्यों लेते हैं।”

*इंटरेस्ट - दिलचस्प, रुझान,

47. “इस दुनिया में मैजिक* नाम की कोई चीज नहीं है, है तो सिर्फ खेल है।”

*मैजिक - जादू

48. “अगर आपके अंदर धैर्य है तो निश्चित ही आप जिन्दगी के कठिन से कठिन हर फैसला का सही निर्णय कर सकते हैं।”

49. “ये दुनिया भी बदल सकती है क्योंकि यह भी आसान है।”

50. “जितना आप अपनी इस प्रकृति से जुड़ते जायेंगे, आपको उतना ही सुखद अहसास होगा।”

51. “आपके जिन्दगी में दो ही चॉइस* है एक - मुझे जिन्दगी को काटना है और दूसरा - मुझे इस जिन्दगी को भरपूर जीना है।”

*चॉइस - विकल्प,

52. “जिसको सवाल करने की आदत है वह चाहे किसी भी फील्ड* में चला जाए वह कामयाब जरूर हो जायेगा।”

*फील्ड - क्षेत्र,

53. “रिस्क* नाम की कोई भी चीज इस दुनिया में है ही नहीं, फिर क्यूँ घबराना!”

*रिस्क - जोखिम, खतरा,

54. “अगर आप अपने दिमाग को बोरिंग* करने वाली जगहों पर टिका सकते हैं तो आपके इंटरेस्ट वाली जगह पर माइंड* टिकाना तो बस खेल है भाई!”

*बोरिंग - उबा देने वाली, *माइंड - दिमाग,

55. “अरे सोये हो या डरे हुए हो, उठो और खड़े हो जाओ और जो करना है करो, कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है, ऑटो चलाना पड़ रहा है, टैक्सी चलाना पड़ रहा है तो इसमें बुराई ही क्या है? आखिर खाली क्यूँ बैठना है?”

56. “इस दुनिया की सबसे बड़ी पावर* है डिजायर की पावर”

*पाँवर - ताकत,

57. “हमेशा लर्निंग* पर फोकस* करो अर्निंग* पर नहीं, अर्निंग तो हमेशा फ्यूचर* है और लर्निंग हमेशा प्रेजेंट मोमेंट* पर होती है।” *लर्निंग - सीखना, *फोकस - एकाग्र, *अर्निंग - कमाई, *फ्यूचर - भविष्य, *प्रेजेंट मोमेंट - वर्तमान समय,

58. “जिन्दगी का यही फंडा है हमेशा सीखते रहना है, जो सीख रहा है वो जिन्दा है और जिसने सीखना बंद कर दिया है वो एक जिन्दा लाश है।”

59. “कोई भी इन्सान अपने जीवन में कुछ करना चाहता है या कुछ भी बनना चाहता है तो हमें उसको जाकर ये नहीं बोलना है की भाई तुम ये नहीं कर सकते हो क्योंकि किसी की हिम्मत तोड़ना भी गलत है।”

60. “किसी एक इवेंट* में फेल होने से लाइफ* में फेल नहीं होते हैं और एक इवेंट का एन्ड*, लाइफ का एन्ड नहीं होता है।”

*इवेंट - घटना, *लाइफ - जीवन, एन्ड - समाप्त,

61. “एक स्टूडेंट* के लिए डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम से बढ़कर इस पूरी दुनिया में कोई भी इन्सपिरेशन नहीं है।”

*स्टूडेंट - विद्यार्थी, *इन्सपिरेशन - प्रेरणा स्रोत,

62. “तुम भी यही सोचते होंगे न कि तुम्हारे घर वाले, दोस्त, रिश्तेदार और बाकी लोग क्या सोचेंगे तो भाई तुम सोचते ही रहना, इससे कुछ नहीं होने वाला है।”

63. “अपने इस जीवन में सबसे सीखो, लेकिन फॉलो* खुद को करो।”

*फॉलो - अनुसरण करना,

64. “जो कुछ भी करना है एक जुनून के साथ करना है वरना उसे करना ही मत।”

65. “जिसकी अवेयरनेस* जितनी अधिक होगी उसकी पॉसिबिलिटीज* भी उतनी अधिक होगी।”

*अवेयरनेस - जानकारी, जागरूकता, *पॉसिबिलिटीज - संभावना,

66. “मेरे जीवन का मिशन* क्या है - देश के अंदर और पूरे संसार के अंदर अनगिनत लीडर्स* खड़ा करना है।”

*लीडर्स - नेता, नेतृत्व करने वाला, *मिशन - लक्ष्य, ध्येय,

67. “जब भी कोई आपसे यह कहे कि आप यह कर नहीं कर सकते हैं तो इसका सीधा सा मतलब है वह खुद नहीं कर सकता है।”

68. “मैं भले ही इस दुनिया से चला जाऊँ लेकिन मेरे जाने के बाद मेरे जैसे लाखों लोग भी आ जायेंगे, कोई और पागल होगा जो यह सब कर रहा होगा और निश्चित ही ये दुनिया भी बदलेगी क्योंकि यह भी होना आसान है।”

69. “कभी भी खाली मत बैठो और उस चीज़ के बारे में भी सीख लो जो आपके कैरियर* से सम्बंधित नहीं है तब भी आपके टाइमपास करने से लाख गुना बेहतर ही होगा।”

*कैरियर - पेशा, जीविका,

70. “अपने आप को अपनी फील्ड में सबसे महान बनाओ, दुसरे आपके बारे में क्या सोचते हैं इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता है।”

71. “यदि किसी कार्य को करने में आपको एनर्जी* लगानी पड़ रही है और किसी दूसरे कार्य करने में आपके अंदर से एनर्जी आ रही है दोनों में जमीन और आसमान का फ़र्क है।”

*एनर्जी - ऊर्जा,

72. “आप जो कर रहे हो उस काम में इतनी हद तक आगे जाओ जितना आज तक किसी ने सोचा भी न हो, फिर देखना आपकी सफलता आपको कहाँ तक ले जाती है।”

73. “इस दुनिया में कोई भी किसी से कम नहीं होता है और जो जैसा सोचता है वो वैसा ही बन जाता है।”

74. “ये दुनिया आपको चढ़ायेगी भी और गिरायेगी भी, दुनिया का यही काम ही है बस आपको इन बातों की कोई परवाह नहीं करना है।” 75. “सब यही सोचते हैं कि खुश कैसे रहें? जब आप लाइफ को सकारात्मक नज़रिये से देखते हैं तो आप खुश होते हैं और जब आप इस दुनिया को नकारात्मक नज़रिये से देखते हैं तो आप दुखी होते हैं।”

76. “हमेशा अपने आप से मुकाबला करो क्योंकि वहाँ कोई रिस्क नहीं होता है हारे तब भी आपकी ही जीत होगी और जीते तो भी आपकी ही जीत होगी।”

77. “बाकी सबकुछ मर सकता है लेकिन वो इंसिपेरेशन कभी नहीं मरती जो हमारे अंदर ही अंदर जलती रहती है।”

78. “इस दुनिया में हमें हर असफल इन्सान से सिखने को मिलता है कि आखिर वह क्यों असफल है।”

79. “आपके जीने की वजह होनी चाहिए, अगर आपकी जीने की वजह बहुत बड़ी है तो निश्चित ही आपसे बड़े से बड़ा काम करवाते चली जाएगी।”

80. “अगर आपको यह क्लियर* हो जाए कि मुझे इस प्रॉब्लम का सोल्युशन* निकालना है तो निश्चित ही सोल्युशन आपके पास चलकर खुद आ जायेगा।”

*क्लियर - साफ़ हो जाये, सोल्युशन - समाधान, इलाज,

81. “आपकी जिन्दगी के बारे में आपके माता पिता से अच्छा कोई भी नहीं सोच सकता है।”

82. “हमे अपनी सोच बदलनी है कि यदि हमारा बच्चा टॉप कॉलेज में एडमिशन पा लिया तो उसकी जिन्दगी बन गयी और यदि वहाँ एडमिशन नहीं मिला तो उसकी लाइफ बिगड़ गई।”

83. “आप इन्टरनेट पर ऐसे लोगो के बारे में सर्च करो और पढ़ो जिनको स्कूल में घुसने तक मना कर दिया गया पर वही लोग आज हमारा इतिहास बदल कर चले गये और आज के स्टूडेंट अच्छे कॉलेज में एडमिशन न मिलने के कारण बस दुखी होते हैं।”

84. “आज के समय में हमारे देश में इतनी बड़ी अपोरचूनिटीज़* है जिसकी कोई हद नहीं है बस हमें ऐसी जगह के बारे में सोचना है जिस जगह पर किसी का भी ध्यान नहीं गया है।”

*अपोरचूनिटीज़ - अवसर,

85. “ये दुनिया भी बदलेगी क्योंकि यह भी आसान है।”

86. “यदि आप जीतते हैं तो आप लोगों का नेतृत्व करते हैं और यदि हारते हैं, तो भी आप लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं।”

87. “अपने दिमाग को ऐसा बनाओ कि वो हर समय अच्छा ही सोचे।”

88. “आपके बारे में दूसरा क्या सोच रहा है ये कभी भी मत सोचना, क्योंकि ये भी वही सोच रहा होगा।”

89. “खुद पर हँसो फिर देखो कैसे आपका तनाव कम होता है।”

90. “जब आप असफल होते हैं तो लोग आप पर हँसेंगे लेकिन जब आप सफल होंगे तो यही लोग आपकी नकल भी करेंगे।”

91. “सबसे पहले कठिन काम ही करिये फिर आसान काम तो अपने आप ही हो जायेंगे।”

92. “हमेशा अच्छे के लिए ट्राय* करो और खराब के लिए खुद को तैयार रखो।”

93. “अपनी जिन्दगी में कभी भी ऐसा पल मत लाओ कि लगे कि आप बिना किसी मकसद के ये जिन्दगी जी रहे हो।”

94. “जो लोग सक्सेस होते हैं उनका ध्यान सिर्फ अपने काम पर होता है और जो लोग फेलियर होते हैं उनका ध्यान काम के अलावा और भी कई चीजों पर होता है।”

95. “जिस दिन आपने खुल के अपनी जिंदगी को जी लिया, बस वही त्यौहार है, बाकी सब सिर्फ कैलेंडर की तारीख है।”

96. “आपकी इच्छा से कुछ भी नहीं बदलता है, 'निर्णय' से थोड़ा कुछ बदल सकता है, और डिटर्मिनेशन* से सबकुछ बदल सकता है।” *डिटर्मिनेशन - दृढ चित्त,

97. “अगर आप महानता हासिल करना चाहते हैं तो अनुमति माँगना बंद कर दें।”

98. “न भागना है न रुकना है, बस चलते रहना है।”

99. “अगर आपके अंदर लड़ने की स्पिरिट* है तो आप जीत लगे।”

*स्पिरिट - साहस,

100. “आप इसे पसंद करें या नहीं, आप इसे स्वीकार करें या नहीं, चाहे आप इसमें विश्वास करें या नहीं, आपकी जिन्दगी वही है जिसका आपने चयन किया है।”

101. “दर्द को सहना पड़ता है दुखों को सहना नहीं पड़ता दुःख को सिर्फ समझना पड़ता है।”

102. “जिसको यह पता है कि मैं क्या कर रहा हूँ, जिसको यह पता है कि ये काम कैसे करना है तो उसको कोई क्या हिलाएगा।”

103. “कामयाब होना कोई बड़ों का खेल नहीं, ये बच्चों का खेल है और अगर तुम मान लो कि सफल होना बच्चों का खेल है तो क्या होगा, आप सफल हो जाओगे।”

104. “जो आज अपने आप को सक्सेसफुल* मानते हैं, वे आज नहीं तो कल सक्सेसफुल बन जाते हैं।”

*सक्सेसफुल - सफल,

105. “समय के साथ हमारी सक्सेस की डेफ़िनेशन* भी चेंज होती है।”

*डेफ़िनेशन - परिभाषा,

106. “जो कुछ भी आप चाहते हैं वह तुम्हारे भीतर है। भीतर देखो और आपको सबकुछ मिल जाएगा!”

107. “आप लोगों की सक्सेस* की लिस्ट बनाने लग जाओ तो शाम हो जाएगी, प्राब्लम ये है कि आप मानते नहीं हो।”

108. “केवल एक ही इंसान है जो आपकी मदद कर सकता है, आपको सफल बना सकता है वो हैं आप खुद।”

109. “जिस नज़र से आप इस दुनिया को देखेंगे, ये दुनिया आपको वैसी ही दिखेगी।”

110. “हमेशा याद रखो जो होता है अच्छे के लिए होता है।”

111. “हमे जो भी करना है अपने लिए करना है, मेरे लिए नहीं, अपने साथ वाले के लिए नहीं।”

112. “आज हमें जो कुछ भी बुरा लग रहा है वो बुरा है नहीं सिर्फ़ ऐसा लग रहा है, आगे जाकर पता चलेगा कि वो भी अच्छे के लिए ही था।”

113. “इससे फ़र्क नहीं पड़ता कि आप क्या बोलते हैं, फ़र्क सिर्फ़ इससे पड़ता है की आप क्या मानते हो, क्योंकि जो आप मानते हो वो आज नहीं तो कल बन जाओगे।”

114. “आपकी विल पॉवर* के आगे दुनिया की कोई भी ताकत टिक नहीं सकती।”

*विल पॉवर - आत्मविश्वास, इच्छाशक्ति,

115. “कोई पहाड़ चढ़ना मुश्किल नहीं है, शिखर पर मिलते हैं।”

116. “जब हम बोलते हैं आसान है और जवाब मांगते हैं तो जवाब मिल जाता है।”

117. “अपनी लाइफ की छोटी से छोटी प्रॉब्लम्स, बड़ी से बड़ी प्रॉब्लम्स उसमें जा कर के इन दो शब्दों को चिपकादो, अंदर से जिस दिन आवाज आने लग गयी न.. “आसान है”, उस दिन सबकुछ, सबकुछ सच में आसान हो जाएगा और यही मेरी लाइफ का सबसे बड़ा सीक्रेट* है ... “आसान है !” इसकी ताकत को अंडर एस्टीमेट* मत करो, इसने मेरी ज़िन्दगी बदली है !”

*सीक्रेट - राज, रहस्य, *अंडर एस्टीमेट - कम आँकना,

118. “सक्सेस की सिर्फ़ एक डेफिनिशन है मेरे लिए, शेयर* करो...दिल से शेयर करो... सबके साथ शेयर करो...

*शेयर - साझा करना,

119. “जितने भी बिलिव्स* जो झूठ पर बेस्ड* हैं उनको बनने में सदियाँ लगती हैं, पर टूटने में एक सेकेण्ड लगता है।”

*बिलिव्स - धारणा, सोच, *बेस्ड - आधारित,

120. “बुरा मत देखो, बुरा मत बोलो, बुरा मत सुनो, ये नहीं बोलना है, इसकी जगह बोलो अच्छा देखो, अच्छा बोलो और अच्छा सुनो।” 121. “मैं इस वजह से सक्सेसफुल नहीं हूँ

कि कुछ लोगों को लगता है कि मैं सक्सेसफुल हूँ, मैं इस वजह से सक्सेसफुल हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि मैं सक्सेसफुल हूँ।”

122. मैं कर सकते हैं।”

123. “जब दिमाग कमजोर होता है, परिस्थितियां समस्या बन जाती हैं। जब दिमाग स्थिर होता है, तब परिस्थितियां चुनौती बन जाती हैं। लेकिन जब दिमाग मजबूत होता है, तब परिस्थितियां अवसर बन जाती हैं।”

124. “मैं अपने सेमिनार्स* फ्री में करता हूँ, जिंदगी में कभी कोई भूखा मिले तो उसे खाना खिला देना, मुझे मेरे पैसे मिल जायेंगे।”

*सेमिनार्स - गोष्ठी, संघोष्ठी,

125. “जो कर्म आपको अंदर से मजबूत करता है वो अच्छा कर्म है जो आपको अंदर से कमजोर करता है वो बुरा कर्म है।”

126. “जब भी आप खुश होते हो समझो कब होते हो और क्यों होते हो और जब भी आप दुखी होते हो समझो कब होते हो और क्यों होते हो, अगर हमें इतना सा समझ आ जाए तो हम उस अंडरस्टैंडिंग* को 24 घंटे में अप्लाई* कर सकते हैं लेकिन समझ आये तो सही!”

*अंडरस्टैंडिंग - विचारधारा, बुद्धि, *अप्लाई - लागू करना,

127. “किसी काम में बार-बार डिमोटिवेट* हो रहे हो तो मोटिवेटेड* कैसे रहोगे तुम जितना उस काम के बारे में जानते चले जाओगे उतना ही तुम मोटिवेट होते चले जाओगे जितना उस काम के पॉजिटिव साइड* को जानते चले जाओगे उतना ही और ज्यादा मोटिवेट होते चले जाओगे!”

*डिमोटिवेट - अप्रेरित, *मोटिवेटेड - प्रेरित, *पॉजिटिव साइड - सकारात्मक नज़रिये से,

128. “लोग कहते हैं इस बिजनेस* में क्या पड़ा है, इस नौकरी में क्या पड़ा है, तो मैं बता दूँ कि किसी भी बिजनेस में, किसी भी करियर में कुछ पड़ा नहीं होता है आपको कोई सोने की खान मिलने वाली नहीं है कहीं से भी, खोदनी पड़ती है!”

*बिजनेस - व्यापार,

129. “याद रखिये हर बड़े काम की शुरुआत छोटे से ही होती है।”

130. “मिडीओक्रिटि* बड़ी खतरनाक जगह है, हम यहीं पर अटके रह जाते हैं, हम ऊपर वालों को देखकर जलते रहते हैं और नीचे वालों को देखकर खुश होते रहते हैं!”

*मिडीओक्रिटि - सामान्यता,

131. “हर करियर में ऊपर कहाँ तक जाया जा सकता है इसकी कोई लिमिट* नहीं है।”

*लिमिट - सीमा,

132. “जैसे ही आप किसी चीज की बुराई कर रहे हो या किसी से जल रहे हो या किसी को नीचे गिरा रहे हो, अपने आप को बैटर फील* कराने के लिए, तो आप और नीचे गिर जाते हो।”

*बैटर फील - बेहतर महसूस करना,

133. “जहाँ पर आपकी थिंकिंग* जाती है जहाँ पर आपकी नज़र जाती है वैसे ही आप बनने लग जाते हो...”

*थिंकिंग - सोच,

134. “आप मेरे वर्ड्स* को तो पकड़ रहे हो लेकिन मैं जिस तरफ इशारा कर रहा हूँ वो नहीं देख रहे हो यही ट्रैप* है, मतलब अगर मैं ऊंगली से चाँद दिखा रहा हूँ तो आप बस ऊंगली देखे जा रहे हो चाँद को नहीं देख रहे हो...”

*वर्ड्स - शब्द,

135. “हर सिचुएशन* में अच्छाई भी है, बुराई भी है, हर इंसान में अच्छाई भी है, बुराई भी है, चाँइस हमारे हाथ में है कि हम क्या देखते हैं...”

*सिचुएशन - स्थिति, परिस्थिति,

136. “अगर हमें अपने डिज़ायर्स को बदलना आ जाये तो हमारी किस्मत बदल जायेगी।”

137. “पहली बार अगर आपने अपनी लाइफ में कोई भी गलती की है तो वो गलती नहीं है, लेकिन अगर उसी को आप बार-बार कर रहे हो तो ये गलती है।”

138. “जब हम किसी और को सलाह दे रहे होते हैं तो बड़ी अच्छी सलाह देते हैं लेकिन जब हम खुद ही उस सिचुएशन में होते हैं तो बेवकूफों की तरह एक्ट करते हैं!”

139. “जैसे आज से दस साल पहले ज़िन्दगी जी रहे थे वैसे ही जी रहे होईट स्लीप रिपीट ...ईट स्लीप रिपीट...क्या मजा है! नेक्स्ट लेवल पे जाओ।”

*ईट स्लीप रिपीट - खाना सोना दोहराना, *नेक्स्ट -अगला,

140. “आप चाहो तो भी ज़िन्दगी के खेल में आउट नहीं हो सकते...तब तक जब तक कि आप खुद मैदान को छोड़ कर भाग नहीं जाते! दुनिया की कोई ताकत आपको हरा नहीं सकती अगर आप पिच पर डूँटे रहो...”

141. “या तो अपने दिमाग को कण्ट्रोल* करो, नहीं तो यह तुम्हे कंट्रोल करेगा।”

*कण्ट्रोल - काबू करना,

142. “बिज़नेस में दो तरह के लोग होते हैं, एक होते हैं जो बड़ी - बड़ी बातें करते हैं कि जब हजार प्रोडक्ट बिक जायेंगे तब ये हो जाएगा वो हो जाएगा, लाखों रुपये कमाऊंगा इतने प्रोडक्ट बेच दूंगा। मुझे जब कोई ऐसा मिलता है मैं उससे बोलता हूँ भाई तेरा पहला प्रोडक्ट कैसे बिकेगा और उसके पास कोई जवाब नहीं होता जबकि जवाब यह होना चाहिए कि एक कैसे बिकेगा, अगर एक बिकेगा तो 100 भी बिकेगा, 1000 भी बिकेगा।”

*प्रोडक्ट - बेचने का सामान, उत्पाद,

143. “कर्म क्या है कि मन में जो गलत चीजें आ रही हैं वहाँ जाने से अपने आप को रोकना यही सही कर्म है और अगर मन में कुछ सही आ रहा है उस पर टिके रहना, हर हालत में टिके रहना यह कर्म है।”

144. “एक तरफ है जो आप करना चाहते हो, जो आप बनना चाहते हो, जो आप पाना चाहते हो और दूसरीतरह वो है जो ये दुनिया आपसे करवाना चाहती है।”

145. “अपने हर सेशन* से पहले 15 से 20 मिनट के लिए मैं अपनी आँखें बंद कर लेता हूँ और जब दिमाग पूरे तरीके से ब्लैक* हो जाता है, दिमाग में कोई विचार नहीं होते तो अपने आप से एक सवाल करता हूँ कि अगर यह दिन मेरी जिंदगी का आखिरी दिन हो और कैसे भी मुझे यह पता लग जाये कि कल सुबह मैं नहीं उठने वाला तो मैं आज क्या करूँगा ” तो मैं यह ऑप्शन चुनता हूँ कि उस आखिरी दिन में कुछ ऐसा कर जाऊँ जिससे कि आज चैन की नींद सो सकूँ।”

*सेशन - बैठक, सभा, *ब्लैक - खाली,

146. “आपके विल पावर के आगे दुनिया की कोई भी ताकत टिक नहीं सकती।”

147. “एक बात हमेशा अपने आप से कहनी है कि - आई एम द ग्रेटेस्ट पर्सन एवर बॉर्न ऑन दिस प्लेनेट*”

*आई एम द ग्रेटेस्ट पर्सन एवर बॉर्न ऑन दिस प्लेनेट - जितने लोग पैदा हुए हैं आज तक मैं उनमें से इस दुनिया का सबसे महान इंसान हूँ।

148. “अगर खुद आप अपनी नज़र में ग्रेटेस्ट* बन गए तो आपके जो काम होंगे, आप जिस तरह से बोल रहे होंगे, आपके साथ में जो लोग होंगे उनको कुछ अलग ही नज़र आएगा, वो आपके साथ में मैग्नेट* की तरह चिपक जायेंगे।”

*ग्रेटेस्ट - सबसे महान, मैग्नेट - चुम्बक,

149. “आप बिज़नेस कर रहे हो, आप खुद ही एक्साइटेड* नहीं हो अन्दर से, तो दूसरे जो आपके साथ में जुड़े हैं आपके टीम मेम्बर कैसे एक्ससाइटेड हो सकते हैं।”

*एक्ससाइटेड - उत्तेजित,

150. “या तो किसी बड़े छाते के नीचे खड़े हो जाओ या खुद ही वो छाता बन जाओ यानी खुद पॉवरफुल बन जाओ।”

151. “आप कोई पैसा बनाने वाली मशीन नहीं हो जो पुरे दिन 6 - 7 घंटे काम करके महीने के कुछ पैसे बनाते हो, आप एक इन्सान हो और इन्सान सोच कर कुछ नया करने की काबिलियत रखता है।”

152. “जब आप किसी इन्सान के साथ में कोई भी कोर्स शुरू करते हैं और देखते हैं कि कुछ सालों बाद आपका दोस्त कहाँ का कहाँ पहुँच गया और आप वहीं के वहीं रह गए, तो ऐसी स्थिति में बजाये जलने के उस दोस्त से जानने की कोशिश करें कि वो ऐसा क्या जानता है जो आप सीखने से रह गए।”

153. “सही ट्रैक* क्या है? हर सिचुएशन की पॉजिटिव साइड को देखना ही सही ट्रैक है।”

*ट्रैक - रास्ता,

154. “इस दुनिया में असफल इन्सान से भी सीखें और सफल इन्सान से भी, असफल व्यक्ति से उसके असफल होने का और सफल व्यक्ति से उसके सफल होने का कारण।”

155. “अपनी सोच का जो सेंटर पॉइंट* यह रखो कि क्या कुछ ऐसा हो सकता है कि मेरी लाइफ में चाहे कुछ भी हो जाये लेकिन दुःख न हों सिर्फ खुशियाँ हों, मैं कहता हूँ हां ऐसा हो सकता है, उसके लिए आपको हाइपर एक्टिव* बनना होगा यानी हर वक्त प्रेजेंट मोमेंट में जी कर कुछ न कुछ सीखना होगा बजाये हर वक्त दिमाग में कुछ न कुछ सोचने के।”

*सेंटर पॉइंट - मुख्य सोच, *हाइपर एक्टिव - अतिसक्रिय,

156. “अपने अन्दर यूनिकनेस* को डेवेलप* करो इससे क्या होगा कि धीरे - धीरे आपकी यह आदत बन जाएगी, जो फॉलो करने की आदत है वो बदल कर अपने अन्दर की आवाज को सुन कर के कुछ नया करने की आदत बन जाएगी।”

*यूनिकनेस - विशिष्टता, *डेवेलप - पैदा करना, विकास करना,

157. “जब लोग आपसे कहें की आप यह नहीं कर सकते तो ना हमें चुप रहना है ना हमें लड़ना है बस सवाल करना है कि मैं यह क्यों नहीं कर सकता? फिर देखो उसके कैसे पते खुलते हैं।”

158. “हिस्ट्री* को उठा कर के देख लो आप पाओगे कि जितने भी कामयाब लोग हुए हैं उनके पास में दुसरो से ज्यादा जवाब नहीं बल्कि दुसरो से ज्यादा अच्छे सवाल हैं।”

*हिस्ट्री - इतिहास,

159. “2 इंजीनियर हैं, एक है जो सिर्फ रट्टा मार रहा है, दूसरा है जो इस फंडे को समझ रहा है, जिसको फंडा समझ आ गया वो किसी भी प्रॉब्लम को ठीक कर सकता है लेकिन जिसने रट्टा मारा वो केवल एक ही प्रॉब्लम को ठीक कर सकता है।”

160. “मेरी इंस्पिरेशन क्या है, वही जो मुझे 12 स्टैण्डर्ड में आई थी कि मुझे कुछ करना है आज उस दिन को कई साल हो गए लेकिन ये अब तक नहीं गई।”

161. “टैलेंट की अपनी एक लिमिट है, गोल सेटिंग* की अपनी एक लिमिट है, मोटिवेशन जो कि बाहर से अन्दर की तरफ आता है उसकी एक लिमिट है लेकिन इंस्पिरेशन जो अन्दर से बाहर की तरफ जा रही है ना, उसकी कोई लिमिट नहीं है।”

*टैलेंट - योग्यता, प्रतिभा, *गोल सेटिंग - लक्ष्य बनाना,

162. “खाना जब तक आप पेट की भूख को मिटाने के लिए खा रहे हो तब तक वो अमृत है और अगर खाना आप मन की भूख को मिटाने के लिए खा रहे हो तो वो जहर है।”

163. “एक तरफ है मज़ा और दूसरी तरफ है दर्द, इन दोनों के बीच में बैलेंस बनाना है।”

164. “सब कुछ बदला जा सकता है, अपनी जिंदगी में भी और पूरी दुनिया में भी, इस पूरी की पूरी दुनिया कोनई डायरेक्शन* दी जा सकती है उस डिजायर की मदद से, अगर यह डिजायर सही डायरेक्शन में है तो, यही डिजायर अगर गलत डायरेक्शन में चला जाये तो इससे बड़ी विनाशकारी पावर भी इस पूरी दुनिया में कहीं नहीं।”

*डायरेक्शन - दिशा दिखाना, रास्ता दिखाना,

165. “आप चाहे जॉब करो, चाहे बिज़नेस करो, एक स्किल ऐसी है जो आपके अन्दर होनी ही चाहिए, उसके बिना आप लाइफ में आगे नहीं बढ़ सकते, वो है कम्युनिकेशन स्किल*।”

*कम्युनिकेशन स्किल - संचार कौशल,

166. “जितना आप बुराई को देखेंगे उतना दुखी होंगे और जितना आप दुखी होंगे उतने ही दूसरों को दुखी करेंगे।”

167. “आप किसी भी लूज़र* के पास चले जाओ उसके पास लिस्ट होगी बहानों की कि मैं इस वजह से फेल हुआ अपनी लाइफ में, इस वजह से मैं कुछ नहीं कर पाया, बहुत लम्बी लिस्ट होगी और दूसरी तरफ विनर* के पास चले जाओ उसके पास में हजार वजह होगी ना करने की जो वो करना चाहता है सिर्फ एक वजह होगी वो करने की जो वो करना चाहता है और वो कर भी जाएगा।”

*लूज़र - हारने वाला, *विनर - जीतने वाला,

168. “अगर इस दुनिया में लोगों के दिलों से आप डिजायर निकाल दो, क्या होगा? सब कुछ रुक जाएगा एक दिन के अन्दर - अन्दर।” 169. “जिस तरह के भी डिजायर आपके अन्दर दबे हुए हैं, उसी तरह की आपकी सोच है।”

170. “एक इन्सान है जिसका डिजायर ही इतना सा है कि किसी भी तरह से 10 हजार रूपए की नौकरी मिल जाये बस, किस तरह के विचार होंगे उसके, किस लेवल का एक्शन होगा उसका, क्या वो बहुत ऊपर के लेवल पर एकट करेगा? उसकी सोच उस 10 हजार रूपए से आगे बढ़ ही नहीं सकती और अगर 10 हजार की जगह 11 हजार रूपए मिल गए तो बल्ले - बल्ले करेगा वो बैठ कर के।” 171. “आपके जीने की वजह बहुत बड़ी होनी चाहिए, अगर वो बड़ी है तो वो अपने आप ही आपसे बड़े - बड़े काम करवाते चली जाएगी।”

172. “जैसे - जैसे आपके अन्दर यह डिजायर पनपेगा कि कुछ अच्छा करना है इस दुनिया के लिए तो वो कब कर पाओगे? जब आप अन्दर से स्ट्रांग* हो, वो सिर्फ तब कर सकते हो जब पूरी तरह से यह डिजायर आपके ऊपर हावी हो जाये कि मर जाऊंगा, कट जाऊंगा, इस दुनिया के अन्दर अँधेरा है न, खुद को जला दूंगा, तपा दूंगा लेकिन रौशनी कर जाऊंगा।”

*स्ट्रांग - मज़बूत,

173. “तप क्या है? ऐसा काम करना जो इस समय इस दुनिया में मानवता के लिए, इस पूरी दुनिया के लिए करना जरूरी है, उसमे आपको चाहे कितना भी दर्द हो रहा है अगर आप वो कर रहे हो तो तप है और अगर आप अपने सेल्फिश इंटरेस्ट* के लिए कर रहे हो तो वो तप नहीं ढोंग है।”

*सेल्फिश इंटरेस्ट - अपने मतलब के लिए,

174. “आप चाहे डॉक्टर बनने वाले हो, इंजीनियर बनने वाले हो, उस हद तक अपने काम में एफर्ट* डाल दो जितना आज तक पूरी दुनिया में किसी ने नहीं लगाया हो।”

***एफर्ट -प्रयास, मेहनत, श्रम,**

175. “मैं आप सब लोगो को स्ट्रोंगली रिकमेंड* करता हूँ, इतना स्ट्रोंगली रिकमेंड मैंने आज तक कभी नहीं किया कि पूरी दुनिया में एक स्टूडेंट के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से बड़ी इन्सपिरेशन कोई नहीं हो सकती।”

***स्ट्रोंगली रिकमेंड - सलाह देना,**

176. “एक बार अन्दर यह पनप गया न कि मुझे भी कुछ ऐसा करना है यार, कुछ तो करना है, हौसला बनना है दुनिया के लिए चाहे कुछ लोग ही मुझे देख कर के इन्स्पायर* हों, कुछ तो करना है, ऐसे ही थोड़ी आया और चला गया क्या है? कुछ करना है।”

***इन्स्पायर - प्रेरित करना,**

177. “सक्सेस मिलती है, फेलियर मिलता है, क्या फर्क पड़ता है? पैसा आता है जाता है क्या फर्क पड़ता है, पिछले हजारों लाखों करोड़ों सालों में देख लो मुझे एक भी ऐसा इन्सान दिखा दो जिसने कुछ पैसा कमाया हो या कोई चीज बनाई हो और अभी भी वो जिन्दा हो, चाहे वो चीज या इन्सान हो, न चीज रहती है न इन्सान रहता है, न यह बॉडी रहती है।”

178. “मेरे सारे सेशन का सार ये है कि बाहर की दुनिया से नहीं, अन्दर की दुनिया से कैसे लड़ना है? ”

179. “अगर आपके अन्दर धैर्य है तो आप अपनी जिंदगी का हर फैसला सही तरीके से ले सकते हो।”

180. “विडियो गेम खेलते हैं हम, उसमें क्या पहले ही दिन में जब आप खेल रहे होते हो आप एक्सपर्ट* हो जाते हो? पहले ही लेवल से 10वें लेवल पर पहुँच जाते हो, नहीं पहुँचते आप गेम में बार - बार गिरते हो, फिर पहले लेवल से शुरू करते हो ऐसे करके बैटर होते जाते हो

और आखिर में 10वें लेवल पर पहुँच जाते हो, उसी तरह गेम और जिंदगी में केवल एक ही फर्क है कि गेम में एक एंड आ जाता है लेकिन जिंदगी में कोई एंड नहीं है आगे बढ़ते रहो।”

*एक्सपर्ट - निपुण, विशेषज्ञ,

181. “मैं यह नहीं कहता कि एजुकेशन इम्पोर्टेंट* नहीं है, एजुकेशन बहुत इम्पोर्टेंट है उसके बिना आप सर्वाइव* ही नहीं कर सकते दुनिया के अन्दर, मतलब कि जिंदगी को काटने के लिए एजुकेशन इम्पोर्टेंट है लेकिन जिंदगी जीने से इसका दूर - दूर तक कोई कनेक्शन नहीं है।”

*इम्पोर्टेंट -जरूरी, *सर्वाइव - बने रहना, जीविकाचलाना, *एजुकेशन - शिक्षा, पढ़ाई,

182. “एक बार आपका लर्निंग एटीट्यूड* बन गया, फिर पैसा तो क्या है कितना भी कमा लो, आपको कोई नहीं रोक सकता।”

*लर्निंग एटीट्यूड - सिखने की आदत,

183. “हमेशा कुछ न कुछ सिखने के रास्ते पर अगर आप चलोगे तो चलते - चलते आपको पता भी नहीं लगेगा और सच बता रहा हूँ पता भी नहीं लगेगा कि कब आप नार्मल* इन्सान से सुपर* इन्सान बन जाओगे।”

*नार्मल - सामान्य, *सुपर - विशिष्ट, खास,

184. “अगर मैं आपका सर किसी पानी से भरे ड्रम में मुँह पकड़ कर उसके अन्दर डाल दूँ तो आप अपने आप को बचाने के लिए पूरी एनर्जी लगा दोगे क्योंकि प्रॉब्लम बड़ी है तो जितनी बड़ी प्रॉब्लम उतनी ही बड़ी एनर्जी।”

185. “स्टूडेंट के सुसाइड का कारण है कि उन्हें यह समझा दिया गया है कि अगर टॉप कॉलेज नहीं मिली तो इसके अलावा सक्सेस होने का और कोई रास्ता है ही नहीं।”

186. “कई लोग यह सोच कर के सुसाइड* कर लेते हैं कि इस दुनिया में अच्छी कॉलेज में एडमिशन वाला स्टूडेंट ही सक्सेस हो सकता है, यह बकवास सोच है क्योंकि मैं आपको इंडिया में ऐसे कई उदाहरण दिखा सकता हूँ जो बड़ी कॉलेज से नहीं पढ़े और आज बहुत सक्सेसफुल है यहाँ तक कि इन बड़ी कॉलेज से जो निकले हैं वो इनके लिए काम करते हैं।”

*सुसाइड - आत्महत्या,

187. “अगर आपको लगता है कि आपका दिमाग पढाई में सही से नहीं लगता, आपकी रुचि नहीं है, आपकी रुचि बिज़नेस में है तो बिज़नेस ही करें और अगर आपको लगता है कि पढने में आपको मज़ा आता है केवल दिखाने के लिए नहीं सच में आपकी रुचि है तो आपके लिए पढाई करने के अलावा और कोई बैटर ऑप्शन हो ही नहीं सकता।”

188. “आप वो काम कर रहे हो जिसमें आपकी वीकनेस* है और आपके कॉम्पिटिटर्स* की स्ट्रेंथ* तो आप हारेंगे ही हारेंगे इससे अच्छा होगा अपनी स्ट्रेंथ के अकॉर्डिंग* ही काम करो।”

*वीकनेस - कमज़ोरी, *कॉम्पिटिटर्स - प्रतियोगियों, *स्ट्रेंथ - शक्ति, *अकॉर्डिंग - अनुसार,

189. “जरा इंटरनेट पर लोगों के बारे में पढ़ो, ऐसे - ऐसे लोग मिल जायेंगे जिनको स्कूल में घुसने तक का मना कर दिया था पर आज वही लोग हिस्ट्री* बदल गये और आप ऐसे स्टूडेंट हो कि केवल अच्छी कॉलेज न मिलने से दुखी हो रहे हो।”

*हिस्ट्री - इतिहास,

190. “शिक्षा का मतलब सिर्फ ज्ञान एकत्र करना नहीं है, बल्कि यह सीखना है कि किस प्रकार से सोचा जाये।”

191. “कोई काम करने के लिए हज़ार कारण होने से अच्छा है एक ठोस कारण का होना।”
192. “जब भी आप अपने आप को अकेला महसूस करें तो उस इंसान की कंपनी को खूब एन्जॉय करें जो इस पूरी पृथ्वी पे अनोखा है और वो हैं आप खुद।”
193. “अपने आप पर हँसने से कभी डरें नहीं”
194. “ज़िन्दगी में कभी किसी बुरे दिन से सामना हो जाये तो इतना हौसला ज़रूर रखना कि दिन बुरा था, ज़िन्दगी नहीं।”
195. शरीर की भाषा (बॉडी लैंग्वेज) सबसे ज्यादा बोलती है।”
196. जो सरफिरे होते हैं, वही इतिहास लिखते हैं, समझदार लोग तो सिर्फ उनके बारे में पढ़ते हैं।”
197. “चाहत और जरूरत के बीच ‘स्वयं नियंत्रण’ हमेशा रहता है।” 198. “कभी - कभी पत्थर की ठोकर से भी नहीं आती खरोंच और कभी जरा सी बात से इंसान बिखर जाता है।”
199. “सफलता सिर्फ यही है कि सही दिशा में आगे कैसे बढ़ना है।”
200. “जो विनर है, जो जीतेगा, वो एक बार नहीं, हज़ार बार गिरेगा और खड़े होकर कहेगा मैं खेलूँगा।”
201. “जीवन कोई समस्या नहीं जिसे सुलझाया जाये, बल्कि एक खेल है खेलने के लिए।”
202. “जिंदगी में कभी कुछ करना है तो सच बोल दो घुमा - फिरा के बात मत करो।”
203. “आप जिस भी काम से प्यार करते हैं, उससे करने से कभी न डरें।”

204. “बिना किसी उद्देश्य के ज़िन्दगी एकदम अर्थहीन है।”

205. “सिर्फ तब बोलें जब जरूरी हो, सिर्फ बाहर से नहीं, अंदर से।”

206. “बिज़नेस और चैस* में ज्यादा फ़र्क नहीं है।”

*चैस - शतरंज का खेल,

‘किताब पढ़ने के लिए धन्यवाद